सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹ 02

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

कानपुर, गुरूवार , 29 मई, 2025
वर्षः 02, अंकः 150, पृष्ठः 8+4

लाइफ स्टाइल में बढ़ती उम्र में जवां दिखने के फायदे » Pg06

इनसाइड कैंसर पीड़ित को चौकी इंचार्ज ने थाने में पीटा, हालत बिगड़ी » Pg04

ऑपरेशन सिंदूर के बाद 40 देशों के मिलिट्री लीडर्स से मीटिंग

» नई दिल्ली / स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान 30 मई से 1 जून तक सिंगापुर दौरे पर रहेंगे, जहां वे शांगरी-ला डायलॉग में भाग लेंगे

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान 30 मई से 1 जून तक सिंगापुर के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज की ओर से आयोजित 22वें शांगरी-ला डायलॉग में भाग लेंगे। इस मौके पर वे कई देशों के सैन्य बल प्रमुखों और सैन्य नेतृत्व के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे।

वे फ्यूचर वॉर्स एंड वारफेयर विषय पर बोलेंगे और इनोवेशन सॉल्यूशन फॉर फ्यूचर पर भी बात करेंगे। शांगरी-ला डायलॉग एशिया का प्रमुख रक्षा और सुरक्षा शिखर सम्मेलन है। यह जानकारी रक्षा मंत्रालय के एक आधिकारिक बयान में दी गई।

जनरल अनिल चौहान ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय संघ, फ्रांस, जर्मनी, इंडोनेशिया, जापान, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, फिलीपींस, सिंगापुर, यूनाइटेड किंगडम और अमेरिका समेत कई देशों के सैन्य अधिकारियों से मिलेंगे। इन बैठकों का उद्देश्य रक्षा सहयोग को मजबूत करना, आपसी सुरक्षा हितों पर चर्चा करना और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में भारत की रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाना है। अपनी इस यात्रा में सीडीएस शिक्षाविदों, थिंक टैंक और रिसर्च करने वालों से भी बात करेंगे।

भारत की ऑपरेशन सिंदूर के बाद

सीडीएस अनिल चौहान

बढ़ गई है अहमियत

शांगरी-ला डायलॉग में दुनिया भर के रक्षा मंत्री, सैन्य प्रमुख, नीति निर्माता और रणनीतिक विशेषज्ञ शामिल होते हैं।

इस बार 40 देशों के नेता इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की सुरक्षा चुनौतियों पर बात करेंगे। इससे रक्षा सहयोग मजबूत होगा और भारत की रणनीतिक साझेदारी बढ़ेगी। ऐसे में ऑपरेशन सिंदूर के बाद पैदा हुए हलातों को देखते हुए यह सम्मेलन रक्षा सहयोग को मजबूत करने का एक अच्छा मौका है। इससे भारत को इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में अपनी रणनीतिक साझेदारी बढ़ाने में मदद मिलेगी।

उत्तरी और पश्चिमी थियेटर कमांड की रणनीतिक समीक्षा की

25 मई को जनरल अनिल चौहान ने जम्मू और कश्मीर के उधमपुर में भारतीय सेना की उत्तरी कमान और हरियाणा के चंडी मंदिर सैन्य स्टेशन में पश्चिमी कमान का दौरा किया था। उन्होंने लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा और लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार जैसे आर्मी कमांडरों और ऑपरेशन सिंदूर की योजना और उसे पूरा करने में शामिल रहे वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत भी की।

यात्रा के दौरान, उन्होंने उत्तरी और पश्चिमी थिएटरों में रणनीतिक समीक्षा और परिचालन मूल्यांकन किया।

उधमपुर में, छ्छ्र को उत्तरी सेना की आतंकवाद नेटवर्क को खत्म करने, आतंकवाद का समर्थन करने वाली विरोधी ताकतों की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सैन्य संपत्ति और नागरिकों की सुरक्षा के लिए उठाए गए कदमों के बारे में जानकारी दी गई।

मुझे दक्षिणा में पोक चाहिएः जगद्गुरु रामभद्राचार्य...

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। थल सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी ने पत्नी के साथ रामभद्राचार्य से दीक्षा ली, इस दौरान जगतगुरू बोले- गुरुदक्षिणा में हमें क्ष्द्म यानी पाकिस्तान के कब्जे वाली कश्मीर चाहिए. इसकी चर्चा खूब हो रही है।

इंजीनियर की हत्या में बर्बाद हो गए औरैया के शेखर तिवारी

» लखनऊ / संवाददाता स्वराज इंडिया

» 17 साल पहले दबदबा दिखाने के लिए इंजीनियर को अगवाकर हत्या की थी

» इंजीनियर की हत्या में बर्बाद हो गए औरैया के शेखर तिवारी

इंजीनियर मनोज गुप्ता की निर्ममता से हत्या करने वाले पूर्व बीएसपी विधायक शेखर तिवारी की सजा और जेल से बचने की हर तरकीब नाकाम हो रही है। उन्हें हाई कोर्ट से जमानत तो मिली लेकिन वह ज्यादा दिन तक बाहर नहीं रह पाए। उनके खिलाफ गैर जमानती वॉरंट जारी हुआ। वह अंडरग्राउंड हुए लेकिन रविवार को औरैया पुलिस ने उनको फिर से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।दरअसल, शेखर तिवारी 15 वर्ष से भी ज्यादा समय से जेल में सजा काट चुके हैं। पूर्व विधायक को 15 वर्ष से सजा काटने वाले बंदियों को मर्सी नजीर के आधार पर जमानत देने के कोर्ट के एक फैसले के आधार पर फरवरी 2024 में जमानत मिल गई थी। वह उरई जेल में बंद थे। जेल से बाहर आने के बाद पूर्व विधायक ने राज्यपाल के यहां समय पूर्व रिहाई के लिए दया याचिका दाखिल की। इसमें 15 वर्ष से भी ज्यादा समय जेल में सजा काटने को आधार बनाया गया था।शेखर तिवारी के बारे में औरैया के जिला प्रोबेशन अधिकारी, एसपी और जिला मैजिस्ट्रेट से शासन ने रिपोर्ट मांगी थी, जिसमें उनकी रिहाई की संस्तुति नहीं की गई है। प्रोबेशन बोर्ड ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि अवैध वसूली एवं बिल का भुगतान नहीं करने की रंजिश को लेकर शेखर तिवारी ने अपने साथियों के साथ इंजीनियर की पीटकर हत्या करने का जघन्य अपराध किया था। अपराध की गंभीरता को देखते हुए उनकी रिहाई की संस्तुति नहीं की जा सकती है, जिसके बाद फरवरी 2025 में राज्यपाल के यहां से उनकी याचिका खारिज हो गई। शेखर तिवारी का वर्चस्व और रसूख उस समय राजनीतिक मुकाम पर चढ़ रहा था लेकिन एक घटना ने पूरे साम्राज्य को मिट्टी में मिला दिया।

शुभम द्विवेदी स्मृति द्वार का विधानसभा अध्यक्ष ने किया शिलान्यास

11 लाख लागत,तीन महीने में होगा निर्माण

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। पहलगाम आतंकी हमले में अपनी जान गंवाने वाले शुभम द्विवेदी के पैतृक गांव हाथीपुर में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना द्वारा 11 लाख रुपये की लागत से बनने वाले स्मृति द्वार का शिलान्यास किया गया। शुभम द्विवेदी की पत्नी ऐशान्या द्वारा भूमि पूजन किया गया। बता दें कि स्मृति द्वार का निर्माण तीन महीनों में पूरा कर लिया जाएगा।

निर्माण कार्य के दौरान लगभग तीन माह हाथीपुर गांव जाने वाली मुख्य सड़क बंद रहेगी। इस अवधि में राहगीरों के लिए काम कराने वाली संस्था द्वारा वैकल्पिक मार्ग बनाकर दिया जाएगा। भूमि पूजन में प्रमुख रूप से शुभम द्विवेदी के पिता संजय द्विवेदी, मनोज कुमार द्विवेदी,सौरभ, सुरेंद्र अवस्थी, विनय मिश्रा, मनीष विश्वकर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

पुराने रोगियों को दिक्कत दे सकता कोरोना का नया वैरिएंट, डॉक्टर बोले- वैक्सीनेशन कराने का मिलेगा फायदा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर।कोरोना का नया वैरिएंट कमजोर सेहत वाले पुराने रोगियों को अधिक सता सकता है। डायबिटीज, लिवर, गुर्दा, कैंसर, अस्थमा, सीओपीडी आदि रोगों के पुराने रोगियों में इसके गंभीर लक्षण उभर सकते हैं। विशेषज्ञों ने इन्हें सचेत रहने की सलाह दी है। नेशनल कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजीशियंस स्थिति पर नजर रखे हैं। कॉलेज के सेंट्रल जोन चेयरमैन डॉ. एसके कटियार का कहना है कि स्पष्ट स्थिति उभरने पर इसकी गाइडलाइन दी जाएगी।डॉ. कटियार ने बताया कि जिन लोगों को पहले कोरोना हुआ है, उनमें एंटीबॉडीज चन गई हैं। इससे वैरिएंट के संक्रमण से सुरक्षा मिल सकती है। इसके अलावा वैक्सीन लगवाने वालों में भी कोई गंभीर नक्षण आने की संभावना नहीं है। लेकिन राने रोगियों तथा बुजुर्ग, गर्भवती महिलाओं और बच्चों को दूध पिलाने वाली महिलाओं भी सतर्क रहने की जरूरत है। ऐसे ग जिन्होंने गुर्दा ट्रांसप्लांट कराया है, उन्हें दिक्कत हो सकती है। आकलन किया जा रहा है। अमेरिकन कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियंस के फैलो और यूरोपियन चेस्ट सोसाइटी के सदस्य वरिष्ठ वक्ष रोग विशेषज्ञ डॉ. राजीव कक्कड़ ने बताया कि कोरोना वैरिएंट की स्पाइक प्रोटीन में म्यूटेशन हुआ है। यह ओमिक्रॉन का वैरिएंट है। इसमें व्यक्ति की प्रतिरोधक क्षमता को भेदने की पांच गुना अधिक ताकत है] लेकिन लक्षण सामान्य रहते हैं। व्यक्ति संक्रमित तो जल्दी हो रहा है, लेकिन गंभीर लक्षण नहीं आते। जुकाम, खांसी, बुखार के बाद रोगी ठीक हो जा रहे हैं।

पीएम मोदी 20,000 करोड़ की परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 30 मई को उत्तर प्रदेश के कानपुर शहर के दौरे पर आ रहे हैं. इस दौरान वे कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे और एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे. यह कार्यक्रम चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित किया जाएगा. पीएम मोदी के आगमन को लेकर प्रशासन ने सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर विशेष तैयारियाँ की हैं.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह दौरा कानपुर के लिए ऐतिहासिक माना जा रहा है. एक ओर यह विकास की नई दिशा देगा, वहीं दूसरी ओर प्रशासनिक सतर्कता भी एक मिसाल बनेगी. नागरिकों से अपेक्षा है कि वे सहयोग करते हुए इस कार्यक्रम को सफल बनाएं.

» कानपुर में कई जगह 30 मई को ट्रैफिक डायवर्जन लागू रहेगा.

» कानपुर को मिलेगी मेट्रो, अस्पताल और कई सड़कों की सौगात

प्रधानमंत्री के दौरे के मद्देनजर शहर की कई सड़कों पर 30 मई को सुबह 4 बजे से रात 8 बजे तक ट्रैफिक डायवर्जन लागू रहेगा. कई प्रमुख मार्गों पर सामान्य वाहनों की आवाजाही रोक दी जाएगी और वैकल्पिक रूट से ट्रैफिक को मोड़ा जाएगा.

प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि यदि अत्यावश्यक न हो, तो 30 मई को इन इलाकों की ओर न जाएं.

आपातकालीन वाहनों जैसे एंबुलेंस, दमकल और पुलिस वाहन को इस दौरान विशेष छूट दी जाएगी. ट्रैफिक पुलिस द्वारा साइनबोर्ड और सुरक्षाकर्मी तैनात किए जाएंगे ताकि आम लोगों को दिशा-निर्देश मिलते रहें.आपातकालीन वाहनों जैसे एंबुलेंस, दमकल और पुलिस वाहन को इस दौरान विशेष छूट दी जाएगी. ट्रैफिक पुलिस द्वारा साइनबोर्ड और सुरक्षाकर्मी तैनात किए जाएंगे ताकि आम लोगों को दिशा-निर्देश मिलते रहें.

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

पीएम मोदी की यात्रा को लेकर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है. एसपीजी, आईबी, एनएसजी और स्थानीय पुलिस मिलकर सुरक्षा का जिम्मा संभाल रही हैं. जनसभा स्थल और आसपास के क्षेत्रों में ड्रोन से निगरानी की जाएगी. सभी प्रमुख मार्गों और प्रवेश द्वारों पर सुरक्षा चेकिंग पॉइंट बनाए गए हैं।

ट्रैफिक प्लान में किया गया बड़ा बदलाव

गंगा बैराज की ओर से आने वाले वाहन कर्बला की तरफ नहीं जा सकेंगे.

कल्याणपुर की ओर से आने वाले भारी वाहन रावतपुर नहीं जा पाएंगे.

टाटमिल, गुमटी, रावतपुर, फूलबाग और छपेड़ा से गुजरने वाले मार्ग बंद रहेंगे.

कंपनी बाग, आर्य नगर और वीआईपी रोड जाने वाले वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से भेजा जाएगा.

मेडिकल कॉलेज, किला चौराहा और बड़ा चौराहा जैसे प्रमुख स्थानों पर भी ट्रैफिक प्रतिबंध रहेगा.

विकास की सौगात

प्रधानमंत्री दौरे में 20,000 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे

नए मेट्रो स्टेशन

अस्पताल निर्माण

बिजली परियोजनाएं

सड़क और अधोसंरचना विकास

पीएम मोदी के कार्यक्रम को लेकर हुई पुलिस ब्रीफिंग

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। सीएसए परिसर स्थित कैलाश भवन में आगामी पीएम मोदी के वीवीआईपी कार्यक्रम के मद्देनज़र पुलिस ब्रीफिंग का आयोजन किया गया। पुलिस आयुक्त अखिल कुमार की अध्यक्षता में यातायात, कानून-व्यवस्था और सुरक्षा प्रबंधन से जुड़ी तैयारियों की गहन समीक्षा की गई। ब्रीफिंग में संयुक्त पुलिस आयुक्त (मुख्यालय एवं अपराध), संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था), पुलिस उपायुक्त सहित ड्यूटी में लगे समस्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण मौजूद रहे। पुलिस आयुक्त ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्यक्रम के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि शहर में यातायात सुचारू रूप से संचालित रहे और सुरक्षा के सभी मानकों का कड़ाई से पालन किया जाए।

कैंसर पीड़ित को चौकी इंचार्ज ने थाने में पीटा, हालत बिगड़ी

धर्मांतरण की शिकायत करने पहुंचा था

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। काकादेव थाना क्षेत्र में कैंसर पीड़ित को चौकी इंचार्ज ने थाने में बेरहमी से पीट डाला। इससे उसकी हालत बिगड़ गई, जिसके बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि पीड़ित धर्मांतरण की शिकायत करने पहुंचा था।

कानपुर में काकादेव थाना क्षेत्र में चौकी इंचार्ज ने कैंसर पीड़ित को थाने में पीट डाला, जो धर्मांतरण की शिकायत करने पहुंचा था। उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार जारी है। शास्त्री नगर निवासी कैंसर पीड़ित जयसिंह ने बताया कि उनके सात वर्षीय बेटे सूर्यांश को बोन मैरो की बीमारी है। गुरुवार को वह बेटे की जांच कराने के लिए लखनऊ जा रहे थे।

तभी धर्मांतरण का दबाव बनाने वाले मौसेरे भाई अवनीश ने उनके छोटे भाई अनूप और उन्हें पीट दिया। मामले की शिकायत करने वह काकादेव थाने पहुंचे। आरोप है कि इस पर पुलिस ने अवनीश के साथ ही उनके भाई अनूप को भी थाने में बैठा लिया। जयसिंह का कहना है कि उन्होंने इसका विरोध किया, तो शास्त्री नगर चौकी इंचार्ज सचिन भाटी ने उन्हें थाने में खींचकर पीटा।

गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

आरोपी और चौकी इंचार्ज के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर पीड़ित अपने दोनों बच्चों के साथ धरने पर बैठ गया। वहीं, सूचना पाकर पहुंचे भाजपा मंडल अध्यक्ष नवीन भाटिया भी पीड़ित के साथ धरने पर बैठ गए।

दो घंटे चले हंगामे के बाद दोपहर करीब एक बजे कैंसर पीड़ित

जयसिंह की हालत बिगड़ने पर पुलिस अस्पताल लेकर पहुंची है, जहां उसका उपचार किया जा रहा है।

झकरकट्टी बस अड्डे पर टीएसआई के साथ गाली गलौज, बस कंडक्टर बोला- जा काट दे चालान, जांच शुरू

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। झकरकट्टी बस अड्डे पर टीएसआई के साथ बस कंडक्टर ने गाली गलौज कर दी। कंडक्टर ने कहा कि जा काट दे चालान। मामले की जांच की जा रही है।कानपुर के झकरकट्टी बस अड्डे के ट्राफिक पॉइंट में तैनात टीएसआई के साथ गाली गलौज का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। हालांकि मिली जानकारी के अनुसार, सड़क के बीच में बस लगाने से विवाद हुआ। इसके बाद गालीगलौज होने लगी।

ड्राइवरों की अराजकता से जनता त्रस्त

वायरल वीडियो में बस कंडक्टर धमकी देता भी दिख रहा है, जो कहता दिख रहा है कि जा काट दे चलान। पुलिस ने मामले का संज्ञान लेकर जांच शुरू की हैबता दें कि झकरकट्टी बस अड्डे पर ड्राइवरों की अराजकता से जनता त्रस्त है। बीच सड़क बसों को खड़ी करके सवारियां बैठालते हैं। यही नहीं, आड़ी-तिरछी बसों के बीच सड़क पर खड़े होने से रोड पर जाम भी लगता है।

श्री गौरी हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर
(AN ISO 9001:2015 CERTIFIED HOSPITAL)
यू.पी.एस.आई.डी.सी. जैनपुर, कानपुर देहात
Mob: 9710106661, 73310106662, 7310106663
अल्ट्रासाउण्ड, सी.टी. स्कैन, डिजिटल एक्सरे की 24 घंटे सुविधा उपलब्ध
- आई0सी0यू0/सी0सी0यू0।
- वेंटीलेटर, ए0वी0जी0ए0, कारडियक मॉनीटर, मल्टीपैरा मॉनीटर की सुविधा।
- C-Arm युक्त वतानुकूलित ऑपरेशन थियेटर।
- ट्रामा स्पोर्ट हेड इन्जुरी का सफल इलाज।
- डिजिटल एक्स.रे, सी.टी. स्कैन, अल्ट्रासाउण्ड (U.S.G.) की सुविधा

आयुष्मान भारत योजना के तहत इलाज उपलब्ध है।
टी.पी.ए. कैशलेस की सुविधा उपलब्ध

उपलब्ध सुविधाएं:- ए0बीजी0ए0 मशीन
1. अत्यंत कम वजन के नवजात शिशु एवं समय से पहले जन्में शिशुओं की विशेष देखभाल। 2. नवजात एवं बाल्य गहन चिकित्सा इकाई ;च्प्ब्न्द्ध 3. चौबीस घंटे मेडिकल स्टोर, एक्सरे, पैथालॉजी, कैन्टीन की सुविधा। 4. नि:शुल्क एम्बुलेंस की सुविधा। 5. दूरबीन द्वारा पित्त एवं गुर्दे, यूरेटर की पथरी का ऑपरेशन, बच्चेदानी में गांठ का ऑपरेशन दूरबीन द्वारा किया जाता है। 6. गहन चिकित्सा इकाई, वेंटीलेटर सुविधा सहित। 7. सभी प्रकार के हड्डी रोग एवं ट्रामा सम्बंधित ऑपरेशन। 8. सिजेरियन ऑपरेशन/डिलेवरी/बच्चेदानी का ऑपरेशन अत्याधुनिक ऑपरेशन थियेटर। 9. कार्डियक मीनीटरिंग/इको कार्डियोग्राफी/सोनोग्राफी/टी.एम.टी.

डा. संजय त्रिपाठी
एम.बी.बी.एस., एमडी मेडिसिन
फेलोशिप क्रिटिकल केयर

विजय बाजपेई
मैनेजिंग डायरेक्टर

स्वराज इंडिया

www.www.swarajindianews.com.com

वैचारिक मंच

सम्पादकीय

कलात्मक विरासत का एक हिस्सा

कला के संरक्षण के लिये नीति-नियंताओं से संवेदनशील व्यवहार की उम्मीद की जाती है। बहुत संभव है कि यह संरक्षण दैनिक जीवन में किसी तरह की विसंगति पैदा करे, लेकिन भावी पीढ़ियों को अतीत के कला सौंदर्य से रूबरू कराना हर समाज का दायित्व होता है। कला संरक्षण की प्रासंगिकता का प्रश्न पंजाब व हरियाणा उच्च न्यायालय के उस निर्देश के बाद फिर सामने उत्पन्न हुआ है, जिसमें सड़क को चौड़ा करने तथा पार्किंग के विस्तार के लिये रॉक गार्डन की दीवार के एक हिस्से को ध्वस्त करने का निर्देश दिया गया है। यह प्रकरण विरासत के संरक्षण और बुनियादी ढांचे के विस्तार के बीच संतुलन को लेकर गंभीर चिंता उत्पन्न करता है। निस्संदेह, केंद्र शासित प्रदेश के अधिकारियों द्वारा क्रियान्वित निर्णय न केवल रॉक गार्डन के निर्माता नेक चंद की कलात्मक विरासत के एक हिस्से को मिटा देता है, बल्कि एक परेशान करने वाली मिसाल भी स्थापित करता है। जो बताता है कि कि नया भारत विकास के नाम पर अपनी सांस्कृतिक व वन विरासत के साथ कैसा व्यवहार करता है। निस्संदेह, इस तथ्य को लेकर दो राय नहीं हो सकती है कि रॉक गार्डन ने केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ को एक विशिष्ट पहचान दी है। नेकचंद की इस विरासत ने दुनिया को बेकार और अनुपयोगी चीजों को नया स्वरूप देने की एक नई दृष्टि प्रदान की है। दशकों से रॉक गार्डन रचनात्मक मानवीय कला दृष्टि के प्रमाण के रूप में खड़ा है कि कैसे सकारात्मक सोच के साथ कचरे को आश्चर्यजनक कृति में तब्दील किया जा सकता है। महत्वपूर्ण बात यह भी है कि नेकचंद की इस अद्भुत कला से प्रेरित होकर देश-दुनिया के विभिन्न भागों में रॉक गार्डन की प्रतिकृति बनाने की भी प्रेरणा भी मिली। नेकचंद के जाने के बाद भी रॉक गार्डन कलात्मकता के एक जीवंत प्रमाण के रूप में विद्यमान है। ऐसे में समाज व प्रशासन का नैतिक दायित्व बनता है कि इस सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण किया जाए।यही वजह है कि सिटी ब्यूटीफुल के तमाम जिम्मेदार, सजग व संभ्रांत लोग अपनी सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिये आगे आए हैं। यह विडंबना कही जाएगी हम अपनी समृद्ध और कलात्मक विरासत के एक हिस्से को सड़क निर्माण और प्रदूषण बढ़ाने वाले वाहनों के उपयोग के लिये बनायी जा रही पार्किंग के लिये खो देंगे। यह भी तर्क दिया जा रहा है कि ध्वस्त की गई दीवार रॉक गार्डन में नेक चंद द्वारा बनायी गई मूल संरचना का हिस्सा नहीं थी। यदि यह तर्क स्वीकार भी कर लिया जाता है तो भविष्य में इस दलील के आधार पर इसके अन्य हिस्सों के अस्तित्व पर संकट मंडरा सकता है। निस्संदेह, किसी संरचना या सांस्कृतिक प्रतीक के महत्व को उसके ढांचे के रूप में नहीं बल्कि उसके साथ लोगों के सांस्कृतिक और भावनात्मक जुड़ाव के रूप में देखा जाना चाहिए।

मृगतृष्णा साबित हुई और राजनीतिक-प्रशासनिक

गुरबचन जगत

पंजाब से युवाओं के पश्चिमी देशों की ओर पलायन की कई लहर चलीं। बेहतर भविष्य की तलाश में वे विदेश गये क्योंकि यहां रोजगार के माकूल अवसर नहीं। ऐसे में वैध-अवैध पलायन जारी रहा। अमेरिका का इन लोगों को बेड़ियों में जकड़ना कुछ ज्यादा ही आसान रहा लेकिन देश में विदेशी मुद्रा लाने वाले इन अप्रवासियों का अपमानजनक निर्वासन और उस पर देश में कोई प्रतिक्रिया व्यक्त न करना चिंताजनक है।पंजाब- पांच दरियाओं की धरती,यूनानी जिसे पेंटापोटामिया (इसका अर्थ भी वही है) पुकारते थे। वह धरा जो प्राचीन काल में सिंधु घाटी सभ्यता, ऋग्वेद और महाभारत की रही। इसी भूमि पर सिकंदर ने झेलम के तट पर पोरस से युद्ध किया, बाबर ने इब्राहिम लोदी से युद्ध किया, एंग्लो-सिख युद्ध यहीं लड़े गए - पंजाब जैसी भूमि के उदाहरण कम ही हैं, जिसने सदियों तक आक्रमण, तबाही और लूटपाट झेली हो।

हम शुरुआत करते हैं 1947 के बाद से, यानी वह घड़ी जो एक शानदार युग की सुबह होने वाली थी। यह प्रभात शेष भारत में खुशी और धूप की तरह खिली, सिवाय पंजाब और बंगाल सूबों के। जो विभाजन हुआ, वह काफी हद तक पंजाब और बंगाल का था। अंग्रेजों द्वारा खींची गई और कांग्रेस नेतृत्व , गांधी और जिन्ना द्वारा स्वीकार की गई एक काल्पनिक रेखा ने पंजाब को बांट दिया। यह पंजाब के शरीर और आत्मा के टुकड़े करना था। इसने अपने पीछे हत्या, बलात्कार और तबाही की सुनामी छोड़ी। ऐसा रक्तपात पहले कभी नहीं हुआ और संभवतः इतिहास का विशालतम जबरन पलायन।यह बड़ी उथल-पुथल कदाचित 1950 के दशक के शुरू में पश्चिमी दुनिया की ओर शुरू पलायन की पहली लहर के अंतर्निहित मुख्य कारणों में से एक थी। शुरू में, यह मामूली थी, अधिकांशतः यूके और उसके बाद कनाडा की तरफ। दो विश्व युद्धों में इस इलाके का योगदान बहुत बड़ा था, और लौटकर आए फौजी यूरोप, अफ्रीका, दक्षिण पूर्व एशिया और मध्य पूर्व से कहानियां व अनुभव सुनाते थे। मनुष्य सदा बेहतर जिंदगी तलाशता रहा, और जब घर पर मौके निराशाजनक हों, तो वह बाहर की ओर देखता है।

यहां देश में, पंजाबी जीवट धीरे-धीरे तारी हुई और अच्छे नेतृत्व और प्रशासन की मदद से, हमने बिखरे टुकड़े सहेजे और विभाजन की भयावहता पर काबू पाया और लगभग सामान्य जीवन जीने लगे। कुछ दशकों तक लगा कि हम समृद्धि-शांति की राह पर हैं। परंतु यह मृगतृष्णा साबित हुई और राजनीतिक-प्रशासनिक व्यवस्था में खामियां उभरने लगीं। पहले से बंटे पंजाब में और विभाजन की मांग की गई जो अंततः सफल हुई। अकाली सिख वर्चस्व वाला राज्य चाहते थे, वहीं पहाड़ी लोगों ने अपने लिए सुरक्षित सूबा मांगा, ठीक यही हरियाणा के लोगों ने किया। संयुक्त पंजाब को तीन राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में बांट दिया। चंडीगढ़, जिसे लाहौर के स्थान पर बतौर आधुनिक राजधानी विकसित किया गया था, वह भी जाती रही।विभाजन से पूर्व के पंजाब सूबे के पांच प्रशासनिक संभाग थे - जलंधर (अब जालंधर), लाहौर, दिल्ली, मुल्तान और रावलपिंडी। इसे बड़ी उपलब्धि के रूप में सराहा गया, लेकिन असल में इसने पंजाब के पतन की शुरुआत की क्योंकि लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था और पतनशील नेतृत्व ने अफरातफरी पैदा की। पहाड़ और उनके जंगल व जलीय स्रोत हिमाचल में वहीं राष्ट्रीय राजधानी की निकटता, इसके फायदे और यमुना किनारे की भूमि हरियाणा में चले गए। इस क्षेत्र का नाम बदलकर अब 'लघु आब' कर दिया जाना चाहिए क्योंकि यह अब 'पंज-आब' कहलवाने लायक नहीं रहा।

खतरे में है कश्मीर की नैसर्गिक अस्मिता

मौसम की मार

पंकज चतुर्वेदी

सेब की अच्छी फसल के लिए चालीस दिन के लिए कड़ाके की ठंड अनिवार्य होती है जो इस बार दिखी नहीं। कुछ साल पहले तक कश्मीर में सालाना 20 से 25 लाख मीट्रिक टन से अधिक सेब की पैदावार होती थी, अब यह घट कर केवल 17-18 लाख मीट्रिक टन रह गई है।

बीते कुछ सालों में कश्मीर घाटी के मौसम में बदलाव यहां के नैसर्गिक पर्यावरण के अस्तित्व के लिए खतरा बन गया है। आमतौर पर 21 दिसंबर से 29 जनवरी तक कश्मीर घाटी में चिलई कलां के दौरान तापमान शून्य से नीचे और भारी बर्फबारी होती है। मौसम विज्ञानियों ने भविष्यवाणी की थी कि 2024-2025 में ला नीना प्रभाव के कारण इस क्षेत्र में अच्छी बरसात होगी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं।

न बर्फ गिरी और न ही बरसात। मौसम विभाग ने पहले ही कश्मीर घाटी में जनवरी के महीने में 81 प्रतिशत कम बारिश होने के चलते अलर्ट जारी किया है। कठुआ में पिछले करीब तीन माह के दौरान क्षेत्र में इस बार पर्याप्त वर्षा न होने के कारण किसानों की फसलें सूखने के कगार पर आ गई हैं।सर्दियों में गर्मी का खेती-किसानी पर असर कई तरीके से हो रहा है। तापमान बढ़ने से कीटों की सुप्तावस्था जल्दी समाप्त हो जाती है, जिससे उनके संक्रमण चक्र बढ़ जाते हैं। जब फल के पेड़ों पर फूल आते हैं, तभी कीट का प्रकोप बढ़ने

पर कीट नियंत्रण अधिक कठिन हो जाता है। पुष्पावस्था में कीटनाशकों का छिड़काव उपज और गुणवत्ता दोनों को प्रभावित करता है। सेब फल के पत्तों को खाने वाले कीट सक्रिय हो जाते हैं। इसके अलावा पत्ता गोभी सहित अधिकांश सब्जियों के पौधों पर कीट हमला कर रहे हैं। उच्च तापमान से कुछ ऐसे एंजाइमों का उत्पादन होता है जो समशीतोष्ण फलों के पेड़ों के लिए हानिकारक होते हैं।आलूबुखारा, खुबानी, चेरी, नाशपाती और यहां तक कि सेब जैसी बागवानी फसलों पर जल्दी फूल लगने से उनका उत्पादन चक्र गड़बड़ा रहा है और अनुकूल मौसम न होने के कारण या तो फूल फल में परिवर्तित नहीं हो पा रहे या फिर बहुत कमजोर हो रहे हैं। तापमान का असर मधुमक्खी और भंवरे जैसे कीटों पर भी पड़ा है, जिससे परागण की नैसर्गिक प्रक्रिया प्रभावित हुई है। वैसे भी सेब की अच्छी फसल के लिए चालीस दिन के लिए कड़ाके की ठंड अनिवार्य होती है जो इस बार दिखी नहीं। कुछ साल पहले तक कश्मीर में सालाना 20 से 25 लाख मीट्रिक टन से अधिक सेब की पैदावार होती थी, अब यह घट कर केवल 17-18 लाख मीट्रिक टन रह गई है। जलवायु परिवर्तन से सर्वाधिक प्रभावित हुई है केसर की खेती। बेमौसम गर्मी के कारण न तो उसकी जड़ों का विस्तार हो पा रहा है और न ही पौधे की वृद्धि।

कम बर्फबारी का सबसे दूरगामी कुप्रभाव है यहां की जल निधियों का अभी से सूखना। गांदरबल जिले की कई सरिताएं और छोटी नदियां अब सूख चुकी हैं। अनंतनाग जिले के मशहूर अचाबल तालाब में तली दिख रही है। कभी इससे 15 गांवों को पानी की आपूर्ति और कई सौ एकड़ धान के खेतों की सिंचाई होती थी। अनंतनाग जिले में वेरीनाग स्रोत में पानी का बहाव बहुत कम हो गया है। वेरीनाग से झेलम नदी निकलती है, जो घाटी के बीच से अनंतनाग, पुलवामा, श्रीनगर, गांदरबल, बांदीपोरा और बारामूला जिलों तक बहती है और फिर पाकिस्तान के मिथनकोट में सिंधु नदी में मिल जाती है।

अनार के साथ डेयरी प्रोडक्ट्स जैसे दूध, दही व पनीर, आदि को साथ में खाने से बचना चाहिए। दरअसल, अनार को डेयरी प्रोडक्ट्स के साथ खाने से पाचन में समस्या हो सकती है। अनार की अम्लता और दूध के प्रोटीन के मिलने से पाचन में समस्या हो सकती है, जिससे गैस, सूजन और अपच हो सकता है।अनार एक ऐसा फल है जो टेस्टी होने के साथ-साथ सेहत के लिए भी बहुत अधिक फायदेमंद माना जाता है। अनार को आप स्नैक्स के साथ-साथ सलाद या स्मूदी आदि में शामिल कर सकते हैं। यह फल विटामिन्स, एंटीऑक्सीडेंट्स और फाइबर से भरपूर है। इसके सेवन से ना केवल इम्यूनिटी को बढ़ाने में मदद मिलती है, बल्कि यह पाचन सुधारने और आपकी स्किन को ग्लो पाने में मदद मिलती है।

अनार के साथ क्या ना खाएं

सेहत को हो सकता है खतरा

इस बात में कोई दोराय नहीं है कि अनार का सेवन सेहत के लिए बहुत अधिक लाभदायक माना जाता है। लेकिन अगर आप इसे किस अन्य फूड के साथ खाते हैं, यह भी बहुत अधिक मायने रखता है। दरअसल, कुछ फूड कॉम्बिनेशन सेहत के लिए अच्छे नहीं माने जाते हैं। अनार के साथा कुछ फूड्स का सेवन पाचन समस्याओं का कारण बन सकता है या फिर इससे आपके शरीर को अनार के पोषक तत्वों को अच्छे से अवशोषित करने में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही फूड्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आपको अनार के साथ खाने से बचना चाहिए–

डेयरी प्रोडक्ट्स

अनार के साथ डेयरी प्रोडक्ट्स जैसे दूध, दही व पनीर, आदि को साथ में खाने से बचना चाहिए। दरअसल, अनार को डेयरी प्रोडक्ट्स के साथ खाने से पाचन में समस्या हो सकती है। अनार की अम्लता और दूध के प्रोटीन के मिलने से पाचन में समस्या हो सकती है, जिससे गैस, सूजन और अपच हो सकता है। यह खासकर उन लोगों के लिए ज्यादा समस्या बन सकता है जो दूध के प्रति सेंसेटिव होते हैं। इससे आपको एसिडिटी, गैस, और पेट में ऐंठन हो सकती है।

सिट्रस फल

अनार के साथ सिट्रस फल जैसे संतरा व नींबू, आदि का सेवन करना भी अच्छा नहीं माना जाता है। इन सिट्रस फल अनार के साथ मिलाने पर ज्यादा अम्लीय हो सकते हैं। दोनों का अम्लता स्तर अधिक होता है, जो पेट की लाइनिंग को परेशान कर सकता है और अपच या एसिड रिफ्लक्स की समस्या पैदा कर सकता है। इन दोनों को साथ में लेने से एसिड उत्पादन बढ़ सकता है, जिससे हार्टबर्न और पेट की समस्या हो सकती है।

अनानास

अगर आप फ्रूट चाट बना रहे हैं तो अनानास और अनार को एक साथ ना खाएं। अनानास और अनार दोनों में अम्लीय गुण होते हैं, और इन्हें मिलाने से पेट में जलन हो सकती है। यह फूड कॉम्बिनेशन एसिड उत्पादन और पाचन संबंधी परेशानियों का कारण बन सकता है।

बढ़ती उम्र में जवां दिखने के फायदे

अभिनेत्रियां यंग दिखने के लिए बोटोक्स ट्रीटमेंट लेती हैं। लेकिन बहुत कम लोगों को इसके बारे में जानकारी नहीं है कि आखिर बोटोक्स और मेसो बोटोक्स में क्या अंतर है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मेसो बोटोक्स के बारे में बताने जा रहे हैं।बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक में कई ऐसी एक्ट्रेस हैं, जो बढ़ती उम्र में भी एकदम जवां दिखती हैं और उनकी स्किन भी यंग लगती है। फिर भले ही वह कितना भी कहें कि उनकी यंग स्किन के पीछे का राज अच्छा खानपान है। जबकि यह पूरी तरह से सच नहीं होता है। अभिनेत्रियां यंग दिखने के लिए बोटोक्स ट्रीटमेंट लेती हैं।

लेकिन बहुत कम लोगों को इसके बारे में जानकारी नहीं है कि आखिर बोटोक्स और मेसो बोटोक्स में क्या अंतर है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मेसो बोटोक्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

मेसो बोटोक्स का काम

अगर आप भी मेसो बोटोक्स कराने की सोच रहे हैं, तो इससे पहले यह जानना जरूरी है कि आखिर यह किस काम आता है। मेसो बोटोक्स एक ऐसा प्रोसेस है, जिसके जरिए बढ़ती उम्र के लक्षणों को छिपाया जाता है। अगर आपके चेहरे और आंखों के आसपास फाइन लाइन्स और झुर्रियां आदि हैं।

तो आप मेसो बोटोक्स की मदद ले सकते हैं। इसके इस्तेमाल रोमछिद्रों के आकार को कम करने, तेल उत्पादन को कंट्रोल करने और फेस पर पसीना कम करने के लिए किया जाता है।

कैसे करता ये काम

मेसो बोटोक्स में चेहरे के खास हिस्सों पर हायलूरोनिक एसिड के साथ पतले बोटुलिनम टॉक्सिन का इस्तेमाल किया जाता है। इस ट्रीटमेंट में माइक्रो नीडल का उपयोग किया जाता है। आमतौर पर मेसो बोटोक्स का इस्तेमाल आंखों के नीचे झुर्रियां, माथे की बारीक झुर्रियां, मुंह का दबा हुआ कोण, नासोलैबियल फोल्ड, गर्दन और हाथ की झुर्रियों को हटाने में मदद किया जाता है।

बोटोक्स से होता है अलग

बोटोक्स और मेसो बोटोक्स एक जैसे नहीं होते हैं। दोनों में काफी फर्क होता है। बोटोक्स का इंजेक्शन सीधे मांसपेशियों में लगाया जाता है। वहीं मेसो बोटोक्स का इंजेक्शन स्किन की सतह पर लगाया जाता है। मेसो बोटोक्स में कम मात्रा में बोटुलिनम पाया जाता है। जबकि बोटोक्स में बोटुलिनम का पर्याप्त इस्तेमाल किया जाता है। इसी वजह से मेसो बोटोक्स को बेबी बोटोक्स भी कहा जाता है।

महा पुरुषों की प्रतिमाओं की सफाई कर दिया स्वच्छता का संदेश

मेयर प्रमिला पांडेय की अगुवाई में बीजेपी नेताओं चलाया अभियान

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 30 मई 2025 को कानपुर महानगर में चन्द्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय में प्रस्तावित जनसभा के दृष्टिगत महापौर प्रमिला पांडेय द्वारा जिला अध्यक्ष अनिल दीक्षित एवं पार्षदों के साथ जनसभा स्थल जाने वाले मार्ग रावतपुर चौराहा स्थित रानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा, गोल चौराहे पर स्थित चन्द्रशेखर आजाद की प्रतिमा के आस-पास झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया गया। प्रतिमाओं की जल से सफाई की गयी । इस अवसर पर पार्षद नवीन पंडित,पार्षद आनन्द शुक्ला, पवन पाण्डेय, राम नरायण, धीरेन्द्र त्रिपाठी अन्य उपस्थित रहे।

अपनी जरूररतो के लिए कोई माँ से तो कोई बाप से लड़ जाता हैं
मगर बताओ जरा कौन कौन घर से निकलने से पहले माँ बाप के पैर पड़ के जाता हैं
लोगों के बीच में बाहर बड़ी बड़ी बाँतें करते हैं
और
घर में अपने कटु शब्दों के जरिए माँ बाप पर अत्याचार करते हैं
ना पूजा काम आएगी ना दुआ ना दवा काम आएगी
एक बार जो माँ बाप कि आह लग जाएगी
ब्रम्हा विष्णु महेश स्वर्ग सब माँ बाप के चरणों में बसते हैं
और ये सब मिलते तभी हैं जिनके घर में माँ बाप हँसते हैं
करो सेवा माँ बाप की इनका दिल कभी ना दुःखाओ
खुश रक्खो इनको सदा और बेटी बेटा होने का फ़र्ज निभाओ।
पंडितजी कि कलम से..

(अभिषेक शुक्ला)

आईसीटी पाठशाला से 34 शिक्षक राज्य पुरस्कार के लिए चयनित

अभिनव मंच आईसीटी की पाठशाला के संचालक हैं शेखर यादव

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी), उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा राज्य आईसीटी पुरस्कार 2024-25 के लिए 40 चयनित शिक्षकों की सूची बुधवार को जारी की गई। जिसमें 34 शिक्षक आईसीटी की पाठशाला मंच से जुड़े रहे। यह उपलब्धि जनपद कानपुर नगर सहित पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है।

शेखर यादव, राज्य आईसीटी पुरस्कार 2022 से सम्मानित शिक्षक, इस अभिनव मंच आईसीटी की पाठशाला के संचालक हैं। इस मंच के माध्यम से वे शिक्षकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों को निःशुल्क डिजिटल प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। उनका प्रयास आईसीटी (सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी) के प्रयोग को कक्षा शिक्षण में व्यवहारिक रूप से लागू कर शिक्षण को अधिक प्रभावी और रुचिकर बनाना है।

शेखर ने जानकारी देते हुए बताया कि एससीईआरटी लखनऊ हर वर्ष 75 जनपदों के डायट के माध्यम से आईसीटी पुरस्कार प्रतियोगिता आयोजित करता है। प्रत्येक जनपद से एक महिला और एक पुरुष शिक्षक का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया जाता है। इस वर्ष कुल 93 प्रतिभागियों ने आईसीटी की पाठशाला मंच से जुड़कर तैयारी की, एससीईआरटी द्वारा जब परिणाम घोषित हुआ तो 40 शिक्षकों का चयन हुआ जिनमें से 34 शिक्षक आईसीटी की पाठशाला के मंच से जुड़े थे, इतनी बड़ी संख्या में राज्य स्तरीय चयन होना एक बड़ी सफलता है।

उन्होंने यह भी बताया कि वर्ष 2023-24 में मंच के माध्यम से 30 प्रतिभागियों को तैयार किया गया था, जिनमें से 15 को पुरस्कार प्राप्त हुआ था। इस वर्ष यह संख्या दोगुनी से भी अधिक हो गई है। हजारों की संख्या में शिक्षक इस मन से जुड़कर लाभान्वित हो रहे हैं इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य कक्षा शिक्षण में आईसीटी आधारित नवाचारों और गतिविधियों को बढ़ावा देना है, जिससे बच्चों के अधिगम स्तर में गुणवत्तापूर्ण वृद्धि हो सके।

कल निकलेगी शौर्य अभिनंदन तिरंगा यात्रा

» बीएनएसडी शिक्षा निकेतन, बेनाझाबर में आयोजित प्रेस वार्ता में जानकारी दी गई

» ऑपरेशन सिंदूर के सम्मान में होगा कार्यक्रम

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। भारतीय सेना द्वारा मातृशक्ति के सम्मान व सैन्य गरिमा की रक्षा हेतु चलाए जा रहे ऑपरेशन सिंदूर के समर्थन में एवं देश की सैन्य शक्ति को शौर्य, वीरता और समर्पण के लिए वंदन एवं अभिनंदन अर्पित करने के उद्देश्य से आयोजित शौर्य अभिनंदन तिरंगा यात्रा का आयोजन शुक्रवार को होगा। बीएनएसडी शिक्षा निकेतन, बेनाझाबर कानपुर में आयोजित प्रेस वार्ता में जानकारी दी गई।

इस अवसर पर डॉ. प्रियंका सिंह (प्रांत संयोजिका, महिला समन्वय) ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर नारी सम्मान, रक्षा और राष्ट्रभक्ति का जीवंत प्रतीक है। भारतीय सेना की इस अद्वितीय पहल के प्रति मातृशक्ति की भावनात्मक एकजुटता और समर्थन को अभिव्यक्त करने हेतु यह तिरंगा यात्रा एक जनजागरण का कार्य करेगी। हम समस्त मातृशक्तियों से आह्वान करते हैं कि वे इस गौरवपूर्ण यात्रा में भाग लें और देश के वीरों को सामूहिक वंदन अर्पित करें। मधु अवस्थी (विभाग संयोजिका, महिला समन्वय, कानपुर विभाग) ने कहा कि

शौर्य अभिनंदन तिरंगा यात्रा केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि यह मातृशक्ति की जागरूकता, संकल्प और सैन्य बलों के प्रति सम्मान का उत्सव है। ऑपरेशन सिंदूर की भावना को जन-जन तक पहुँचाने हेतु हम मातृशक्ति की सक्रीय भागीदारी की अपेक्षा करते हैं। डॉ. मोनिका अग्रवाल (महिला समन्वय, सह विभाग संयोजिका) ने कहा कि यह यात्रा राष्ट्र की सीमाओं की रक्षा में तैनात वीर सैनिकों के प्रति हमारी कृतज्ञता का प्रतीक है। ऑपरेशन सिंदूर जैसे सम्मानजनक अभियानों को समर्थन देना हर राष्ट्रप्रेमी का दायित्व है, और मातृशक्ति इस दायित्व को पूर्ण निष्ठा से निभा रही है।

प्रेस वार्ता में स्पष्ट किया गया कि शौर्य अभिनंदन तिरंगा यात्रा दिनांक 31 मई 2025 को सायं 5:00 बजे बीएनएसडी शिक्षा निकेतन से प्रारंभ होकर कारगिल शहीद पार्क पर सम्पन्न होगी। यात्रा में स्कूटी, बाइक एवं पैदल चलकर हजारों मातृशक्तियाँ राष्ट्रगौरव का प्रदर्शन करेंगी।

क्रांतिकारी कर्मचारी नेता पीएन शुक्ला की पुण्यतिथि मनाई गई

» परिषद के पुरोधा पी एन शुक्ला की पुण्यतिथि पर कई मांगों पर मंथन

» सिंचाई विभाग के उपराजस्व अधिकारी,सींच पर्यवेक्षक,सींचपाल,नलकूप चालक,हेड मुंशी,मुंशी एवं चतुर्थ श्रेणी के विभिन्न पदों को मृत घोषित किए जाने सम्बन्धी शासनादेश को निरस्त किए जाने एवं बिजली विभाग को निजीकरण न किए जाने की उठी माँग

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के पुरोधा स्वर्गीय पीएन शुक्ला की पुण्यतिथि पर सिंचाई विभाग फूलबाग में भावभीनी श्रद्धॉजलि दी गई।

पुण्यतिथि के अवसर पर परिषद के अध्यक्ष राजा भरत अवस्थी ने कहा कि पी एन शुक्ला ने राज्य के कर्मचारियों व शिक्षकों को केन्द्र के समान वेतन ,मंहगाई भत्ता व अन्य सुविधाएँ दिलाए जाने के लिए दो-तीन वर्ष तक जेल में निरुद्ध रहे। उनके द्वारा की गई हड़ताल व सशक्त आंदोलन से तत्कालीन प्रधानमन्त्री इन्दिरा गाँधी ने उन्हें दिल्ली बुलाकर राज्य सभा सदस्य व बाद में विधान परिषद सदस्य बनाया। उनके द्वारा दिखाया गया मार्ग आज भी प्रासंगिक है। कर्मचारी व शिक्षक अपने दायित्व का निर्वहन जिस तल्लीनता से कर रहे है , सरकार कर्मचारियों को केन्द्र के समान कैशलेस चिकित्सा इलाज की व्यवस्था की कराए।पुरानी पेंशन बहाली, आठवाँ वेतन आयोग की समिति का गठन, सीसीए, रोके हुए भत्ते बहाल करने व कर्मचारियों के बीच से एमएलसी बनाए जाने की आवाज़ बुलंदी से की गई।बैठक का संचालन मन्त्री इं.कोमल सिंह ने किया।पुण्यतिथि पर विभिन्न संघों के पदाधिकारियों ने पुष्पांजलि अर्पित की,प्रमुख रूप से रणधीर सिंह,हरीश श्रीवास्तव, धर्मेन्द्र अवस्थी,अजय द्विवेदी, विनय गौतम, एसएमजेड नकवी, विमल वर्मा ,प्रशान्त शुक्ला ,दिनेश यादव,शैलेंद्र,अखिलेश कुशवाहा,प्रेम नारायण दीक्षित,ऊषा कुमारी,सुनीता साहू आदि उपस्थित रहें।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादक: अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

सेंगुर नदी बनी काल - नहाते समय डूबे पिता-पुत्र, मौत से गांव में मातम

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मूसानगर थाना क्षेत्र अंतर्गत क्योटरा बांगर गांव में बुधवार दोपहर दर्दनाक हादसा हो गया। गांव निवासी अशोक (30) पुत्र रामपाल और उनका पांच वर्षीय बेटा रोहन सेंगुर नदी में नहाने गए थे, जहां नहाते समय दोनों गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। बेटे को डूबता देख अशोक ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन वह खुद भी डूब गया। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने शोर मचाया और तुरंत गोताखोरों को बुलाया। स्थानीय गोताखोरों ने नदी में कूदकर दोनों को बाहर निकाला।

» अशोक और पांच वर्षीय बेटे रोहन की डूबने से मौत, गांव के गोताखोरों ने निकाले शव

» मां पूजा बदहवास, घर में पसरा मातम, परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल

घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 और एंबुलेंस मौके पर पहुंची। परिजनों की मदद से दोनों को सीएचसी पुखरायां ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

थाना प्रभारी शिवनारायण सिंह ने बताया कि शवों को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्यवाही की जा रही है। इसके बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

घटना की जानकारी मिलते ही गांव में कोहराम मच गया। अशोक की पत्नी पूजा बदहवास हो गई। वहीं, बेटी प्रियांशी भाई और पिता की मौत की खबर से बेसुध हो गई। अशोक की मां सीता सुंदरी दहाड़ें मारकर रोती रही।

गांव की बड़ी संख्या में महिलाएं अशोक के घर पहुंचीं और परिजनों को ढांढस बंधाया। पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसर गया है।

ग्रामीणों के अनुसार, अशोक अपने बेटे रोहन को लेकर दोपहर खेतों की ओर गया था, जहां गर्मी के कारण दोनों ने सेंगुर नदी में स्नान करने का निर्णय लिया। लेकिन यह स्नान उनकी जिंदगी का आखिरी स्नान बन गया।

गांव में इस हादसे से गहरा शोक व्याप्त है, और हर आंख नम है। ग्रामीण प्रशासन से नदी किनारे सुरक्षा के इंतजाम किए जाने की मांग कर रहे हैं ताकि भविष्य में इस तरह की दुखद घटनाएं टाली जा सकें।

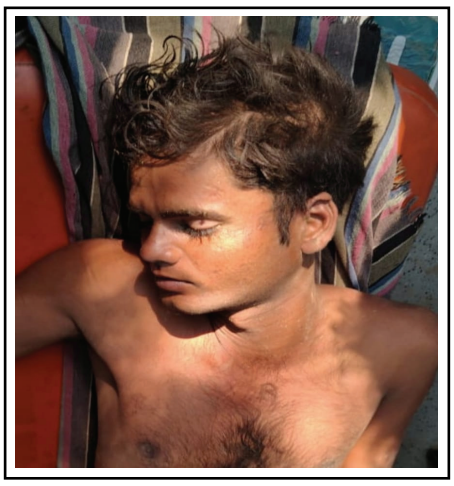

स्वराज इंडिया की खबर का असर किसानों को मिला राहत का पानी

मलासा के राजकीय नलकूप डीपी-45 की मरम्मत के बाद बहाल हुई सिंचाई

किसानों ने जताया आभार, स्वराज इंडिया की पत्रकारिता को सराहा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। विकासखंड मलासा स्थित ग्राम सभा में राजकीय नलकूप डीपी संख्या 45 कई दिनों से खराब पड़ा था। किसानों ने कई बार विभागीय कर्मचारियों से शिकायत की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। नलकूप बंद होने से किसान निजी नलकूपों पर महंगे दाम देकर सिंचाई करने को मजबूर थे। ऐसे में स्वराज इंडिया के जिला संवाददाता शंकर सिंह ने 4 अप्रैल को प्रकाशित खबर में इस गंभीर समस्या को प्रमुखता से उठाया। खबर छपते ही विभाग की नींद टूटी और संबंधित अधिकारी हरकत में आए।

स्वराज इंडिया
Swaraj India
04 Apr 2025 - Page 9

मलासा में ही बंद पड़ा राजकीय नलकूप, किसान परेशान

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। उत्तर प्रदेश सरकार लगातार किसानों के लिए नए नए तरीके ओर किसानो को कोई समस्या न हो इसके लिए लाख प्रयास कर रही है।लेकिन लापरवाह अफसरों से किसानो के अरमानों में पानी फिरता नजर आ रहा है। किसानो अपनी बात बार बार कहने को मजबूर है लेकिन कोई सुनने वाला भी नही है। विकास खंड मलासा के ग्रामसभा में लगा राजकीय नलकूप डीपी संख्या 45 पिछले कई दिनों खराब बंद पड़ा है। विभागीय कर्मियों को सूचना देने के बावजूद अभी तक इसे ठीक नहीं कराया गया है। स्वराज इंडिया के जिला संवाददाता ने जब जिम्मेदार अधिकारी से संपर्क किया उन्होंने जल्द ही सही करने का भरोसा दिया है। राजकीय नलकूप के बंद होने से किसान निजी नलकूप से महंगे दामों पर सिंचाई करने को विवश है।

» मलासा गांव के डीपी संख्या 45 का मामला

मलासा गांव में पिछले एक दिनों से राजकीय नलकूप बंद है। किसी तरह से किसानों की गेहूं की फसल हो गई। इस समय अब मूंग बोआई के लिए पानी की आवश्यकता है। किसान महंगे दामों पर निजी नलकूप से मजबूरी में सिंचाई करया रहे हैं। वही मिस्त्री से किसानो ने अपनी बात रखी थी लेकिन मिस्त्री ने किसानो की बात उच्चाधिकारियों तक नहीं भेजा है। जिससे इस विषय पर उनको जानकारी नहीं थी। स्वराज इंडिया के जिला संवाददाता ने अधिकारियों से बात कर किसानो की समस्या से अगगत कराया गया,क्षेत्र के दर्जनों किसान इसी नलकूप के भरोसे प्रगति सील किसान सब्जी की खेती करते हैं। नलकूप सुचारू रूप से नही चलने के कारण किसानों का आर्थिक नुकसान हो रहा है किसान राजेश ,रवि, नरेश,चमन, चंद्रमोहन, वीरपाल,आदि ने बताया कि नलकूप बंद होने से सिंचाई करने में बड़ी परेशानी हो रही है। निजी ट्यूबवेल से सिंचाई करना पड़ रहा है, जो कि बहुत महंगा पड़ता है। राजकीय नलकूप कई दिनों से खराब पड़ा है।

क्या बोले जिम्मेदार अधिकारी.....

जल्द ठीक होंगे नलकूप विभाग के जेई संतोष पाल ने बताया कि राजकीय नलकूप की पहले मोटर जल गई थी। इसके बाद उसकी मरम्मत कराई गई थी। दोबारा तकनीकी टीम भेज कर राजकीय नलकूपों की कमियां दूर कर सुचारू रूप से संचालित कर दिया जाएगा।

समाधान मिला, किसान खुश

खबर का संज्ञान लेते हुए नलकूप विभाग के अवर अभियंता संतोष पाल ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मिस्त्री भेजकर नलकूप की मरम्मत कराई। मरम्मत के बाद ट्यूबवेल से पानी की आपूर्ति शुरू हुई, जिससे किसानों के चेहरों पर राहत की मुस्कान लौट आई।

किसानों ने स्वराज इंडिया न्यूज टीम का आभार जताते हुए कहा कि यदि मीडिया ऐसे ही आम लोगों की आवाज बनती रही, तो प्रशासनिक लापरवाहियों पर लगाम लगेगी।

सांसद तनुज पुनिया ने जन संवाद कर सुनी समस्याएं

» अधिकारियों को समस्याओं का गुणवत्ता युक्त समाधान कराने के निर्देश दिए

स्वराज इंडिया संवाददाता

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी। लोक निर्माण विभाग अतिथि गृह सिरौलीगौसपुर में सांसद तनुज पुनिया ने ब्लाक प्रमुख रेनू वर्मा की अध्यक्षता में जनसंवाद कार्यक्रम में जनता की शिकायतों को सुना और सम्बंधित अधिकारियों को समस्याओं का गुणवत्ता युक्त समाधान कराने की बात कही है।

बुधवार को लोक निर्माण विभाग अतिथि गृह सिरौलीगौसपुर में सांसद तनुज पुनिया ने जनसंवाद में ग्रामीणों की समस्याओं को सुना विजली विभाग स्वास्थ्य, विकास विभाग के अधिकारी कर्मचारियों की मौजूदगी में सबसे अधिक विजली विभाग के अवर अभियंता राजमौर्य के विरुद्ध शिकायतें आयीं। जनप्रतिनिधियों एंव विजली विभाग के जे ई से नोक झोंक भी हुई।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से आये डाक्टर गौरव नारायन से सांसद तनुज पुनिया ने कहा कि स्वास्थ्य कर्मी समय से अस्पताल आवें बीमार लोगों का सही से उपचार करें।

जनता की शिकायतें नहीं आनी चाहिए। प्रधान प्रतिनिधि मोहद्दीनपुर राम केदार वर्मा ने प्रधान मंत्री आदर्श गांवों में तीन वर्ष बीत जाने के बावजूद आंगनबाड़ी केंद्र,शोलर लाइट स्ट्रीट लाइट आदि काम न करवाये जानें की बात सांसद से कही सांसद ने आश्वस्त किया सम्बंधित विभाग यू पी, सिडको से बात करके समस्या का समाधान कराया जाएगा। प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम के रूप में श्याम नगर, गिदरापुर, दरवेश पुर, मोहद्दीनपुर चयनित हैं।

इस मौके पर तहसीलदार शरद सिंह, अदिती श्रीवास्तव खण्ड विकास अधिकारी सिरौलीगौसपुर, अधिशासी अभियंता विद्युत रामनगर,अवर अभियंता विद्युत सिरौलीगौसपुर,के अलावा अमित त्रिवेदी ब्लाक अध्यक्ष, पंडित बेचन लाल दीक्षित, प्रमोद कुमार रावत नन्हा, असीम श्रीवास्तव, सुधांशू वर्मा, शिवकुमार यादव,अनीता गौतम,मो0 वैश,मुरली रावत, अमर सिंह वर्मा सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

नशे में धुत बाइक सवार डायवर्जन बोर्ड से टकराया

स्वराज इंडिया संवाददाता

निंदूरा बाराबंकी। बड्डूपुर थाना क्षेत्र के नहर कोठी मोड पर डायवर्सन बोर्ड पर नशे की हालत में अनियंत्रित बाइक सवार लाला यादव पुत्र राम सिंह उम्र करीब 40 वर्ष निवासी सडौर पोस्ट रामपुर कला थाना रामपुर कला अपने साथी प्रहलाद वर्मा पुत्र राम गुलाम उम्र करीब 40 निवासी कैथा मजरे सरैया शंकर बख्श थाना रामपुर कला जनपद सीतापुर लखनऊ में कैटरिंग का काम करके घर वापस जा रहे थे। तभी अनियंत्रित होकर नहर कोठी डायवर्सन बोर्ड पर टकरा गए जिसमें प्रहलाद वर्मा गंभीर रूप से घायल हो गया है। राहगीरों ने तुरंत बड्डूपुर पुलिस को घटना की सूचना दी।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने आनन फानन दोनों बाइक सवारों को निजी वाहन से महमूदाबाद स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कर दिया जहां दोनों का इलाज चल रहा है। वही इस संबंध में थानाध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया की महमूदाबाद में दोनों घायलों का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

बाइक सवार ने मारी टक्कर

निंदूरा क्षेत्र के घुंघटेर थाना क्षेत्र में बाबागंज बजगहनी संपर्क मार्ग पर जानीनगर पेट्रोल पंप के पास साइकिल से विनोद कुमार जानी नगर जा रहे थे, पीछे से बाइक सवार बिनवापुर निवासी आकाश ने टक्कर मार दी। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से सीएचसी में भर्ती कराया, जहां पर घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। वही इस सम्बन्ध में थाना प्रभारी बेचू सिंह यादव ने बताया कि दोनों घायलों को सीएचसी घुंघटेर में भर्ती कराया गया है इलाज चल रहा है।

रामनगर पर 27 वें गायत्री महा यज्ञ का शुभारंभ

स्वराज इंडिया संवाददाता

बाराबंकी। गायत्री शक्ति पीठ रामनगर पर 27 वें वार्षिक उत्सव समारोह के अवसर पर भव्य कलश यात्रा के साथ संगीतमय श्री राम कथा एवं गायत्री महायज्ञ कि सुप्रारंभ हुआ। बताते चलें कि आज दिनांक 29 मई वर्ष 2025 दिन गुरुवार प्रातः काल 8 बजे से बहनें सिर पर कलश धारण करके गाजे बाजे के साथ गायत्री शक्ति पीठ रामनगर से चलकर नगर का भ्रमण करते हुए श्री बाल्मिक मंदिर में पूजन अर्चन के पश्चात पुनः गायत्री शक्ति पीठ रामनगर पहुंची। तत्पश्चात कथा व्यास पंडित राजेश कुमार मिश्र ने विधिवत मंत्रोच्चारण के बीच कलश पूजन कराया। कथा व्यास ने बताया कि यह आयोजन 29 मई वर्ष 2025 से 5 जून वर्ष 2025 तक चलेगा। प्रतिदिन कथा दोपहर 3 बजे से 5-30 बजे तक एवं साइन कल 7-30 बजे से रात 10 बजे तक होगी।

कथा समापन के अंतिम दिवस 5 जून वर्ष 2025 को भव्य भंडारा आयोजित कर प्रसाद वितरित किया जाएगा। इस कलश यात्रा में वरिष्ठ कार्यकर्ता गायत्री परिवार रचनात्मक ट्रस्ट के प्रमुख ट्रस्टी हरिशंकर शुक्ल, शिक्षक गजानन शुक्ला, ट्रस्टी दिनेश बाजपेई, रामकुमार वर्मा, सुभाष चंद्र अवस्थी, वीरेंद्र कुमार तिवारी, सहायक प्रमुख ट्रस्टी डॉ संजय तिवारी, ट्रस्टी साकेत शर्मा,देवेंद्र मौर्य, प्रज्ञेश दीक्षित,अरविंद श्रीवास्तव, बलवेंद्र वर्मा, दीपू पांडे, प्रशांत मिश्रा, आनंद मिश्रा,विनायक शुक्ला, शिवांश शुक्ला, प्रफुल्ल त्रिपाठी, वीरेंद्र प्रताप सिंह, नवल किशोर सिंह,लव कुश राजपूत, रामेश्वर चतुर्वेदी, गायत्री परिवार वरिष्ठ कार्यकत्री सोनी गुप्ता, राजेश्वरी शुक्ला, मंजूलता, निधि शुक्ला, सुशीला मिश्रा, राजकुमारी, सुशीला शुक्ला, मिथिलेश, कामिनी अवस्थी, जय देवी शुक्ला, कुलदेवी शुक्ला, अंजू अवस्थी, दीपा मिश्रा, शिव देवी दीक्षित, शिव देवी, संगीता तिवारी, चंद्रकांति अवस्थी,उमा देवी, मांडवी, सरिता शुक्ला, दिव्या शुक्ला, चंद्रावती मिश्रा,मन्नो मिश्रा, गुड़िया शुक्ला,सहित काफी संख्या में माताएं बहने उपस्थित रही। सुरक्षा व्यवस्था में रामनगर कोतवाली से उपनिरीक्षक नीतू, कांस्टेबल देवेंद्र कुमार, सुनील कुमार सहित संभ्रांत लोग उपस्थित रहे।

नाकामी छिपाने के लिए सरकारी स्कूलों का विलय तो नहीं...!

» बेसिक शिक्षा में विलय की योजना खासतौर से कम नामांकन वाले स्कूलों को बड़े स्कूलों में शामिल करने की चल रही है

» माना जा रहा है कि इससे गरीबों के बच्चे हो सकते हैं शिक्षा से वंचित

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में स्कूलों के विलय की योजना खासतौर से कम नामांकन वाले स्कूलों को बड़े स्कूलों में शामिल करने की चल रही है। इसका उद्देश्य शिक्षा प्रणाली को बेहतर बनाना, संसाधनों का प्रभावी उपयोग करना और शिक्षकों की कमी को दूर करना बताया जा रहा है। वर्तमान में 50 से कम छात्र संख्या वाले विद्यालयों का समीप के दूसरे विद्यालयों में मर्ज करने की तैयारी चल रही है जिससे गरीबों के बच्चों का शिक्षा से वंचित होने का खतरा बढ़ गया है। प्राप्त समाचार के अनुसार बेसिक शिक्षा के अधीन संचालित प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों को समीप के दूसरे विद्यालयों में मर्ज करने की तैयारी पूर्ण कर ली गयी है जहाँ पर नामांकन 50 से कम हैं हालांकि विभाग के इस कुचक्र का शिक्षक संघ पुरजोर विरोध कर रहे हैं और विद्यालयों का मर्जर न हो इसको लेकर विभिन्न संगठन आर-पार का मूड बना चुके हैं। स्कूल मर्ज होने से बड़ी संख्या में शिक्षकों के पद भी खत्म हो जाएंगे।

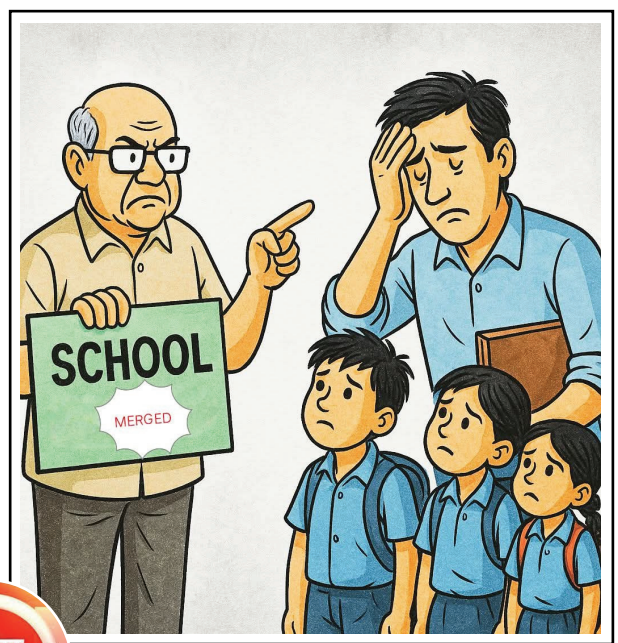

खास खबर

शिक्षकों का कहना है कि एक ओर तो शिक्षा गुणवत्ता को लेकर सरकार बड़ी-बड़ी बातें कर रही है दूसरी ओर स्कूलों और शिक्षकों की संख्या को कम करने की तैयारी चल रही है। स्कूलों में लाखों की संख्या में शिक्षकों के रिक्त पद हैं। एक-एक शिक्षक पांच पांच कक्षाओं का संचालन कर रहा है।

अपनी खामियों पर पर्दा डालने के लिए सरकार ऐसा कदम उठा रही है। वैसे बेसिक शिक्षा के विद्यालयों में अधिकांशतः गरीब तबके के बच्चे शिक्षा ग्रहण करते हैं ऐसे में मर्जर के बहाने विद्यालयों को बन्द करने के कुचक्र से सबसे पहले गरीबों के बच्चों के शिक्षा का हक छिनेगा। विद्यालयों के मर्जर से विद्यालयों की दूरी बढ़ जायेगी जिसके कारण कक्षा 1, 2 व 3 के बच्चे स्कूल नहीं पहुँच पायेंगे जिस कारण उनके शिक्षा से वंचित होने का खतरा बढ़ जायेगा। मर्जर के प्रकरण पर जब हमारे संवाददाता ने कुछ अभिभावकों से बात किया तो उन लोगो ने मुखर होकर अपनी बात रखते हुए बताया कि शासन का यह गलत कदम है विद्यालय दूर होने से बच्चों की सुरक्षा प्रभावित हो जायेगी। अब देखना यह होगा कि इस पहल का जमीनी असर कितना व्यापक होता है।

शिक्षाशास्त्री प्रवीण त्रिवेदी का कहना है कि विभागीय अधिकारियों की ओर से यह तर्क दिया जा रहा है कि स्कूलों के एकीकरण (मर्ज) से शिक्षकों की उपलब्धता बेहतर हो सकेगी और उन्हें एक ही स्थान पर समायोजित करके गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा सकेगी लेकिन इस तर्क की जड़ें दरअसल उसी विफलता में हैं जिसमें व्यवस्था एक लंबे अरसे से प्रति कक्षा एक अध्यापक देने में असफल रही है। सामान्य समझ कहती है कि प्रत्येक कक्षा के लिए एक प्रशिक्षित अध्यापक होना चाहिए परंतु वर्षों से हजारों विद्यालयों में शिक्षक न होने या एक शिक्षक से दो से तीन कक्षाएं पढ़वाने की प्रवृत्ति ने इस प्रावधान की गंभीर अवहेलना की है।

अब उसी विफलता को तर्क बनाकर स्कूल मर्ज किए जा रहे हैं। यानी जब व्यवस्था अपने कर्तव्य में असफल रही तो समाधान यह निकाला गया कि स्कूल ही घटा दिए जाएं। यह एक अपरिपक्व सोच है जिसमें असफलता का बोझ बच्चों पर डाला जा रहा है। यह कह देना आसान है कि कम बच्चों वाले स्कूल व्यर्थ हैं पर कोई यह क्यों नहीं कहता कि प्रति कक्षा एक शिक्षक नहीं दे पाने वाली व्यवस्था भी विफल है। व्यवस्था को अपने कर्तव्यों के निर्वहन की समीक्षा करनी चाहिए न कि बच्चों के अधिकारों में कटौती करनी चाहिए।

आरटीओ प्रशासन की अनदेखी से खजाने को लग रहा चूना

» सरकार को लग रहा लाखों का चूना

» 2017 से लागू नियमों को ऋषह ने किया नजरअंदाज, राजस्व की हो रही भारी क्षति

» सरकारी आदेशों की धज्जियां उड़ाकर अयोध्या में निजी बाइक का धड़ल्ले से हो रहा व्यावसायिक प्रयोग

» ऑनलाइन डिलीवरी कंपनियों की बाइकें बिना कमर्शियल रजिस्ट्रेशन दौड़ रही सड़कों पर

» स्वराज इंडिया ग्राउंड रिपोर्ट

समीर शाही स्वराज इंडिया

अयोध्या। अयोध्या में सड़क पर दौड़ती जोमैटो, स्विगी, अमेजन, फ्लिपकार्ट जैसी ऑनलाइन डिलीवरी कंपनियों की बाइकें न सिर्फ शहर की अर्थव्यवस्था को गति दे रही हैं, बल्कि सरकार की आंखों में धूल झोंकते हुए नियमों की खुलेआम अनदेखी भी कर रही हैं। निजी बाइक को कमर्शियल कार्य में प्रयोग करना कानूनन प्रतिबंधित है, बावजूद इसके यह अवैध व्यवस्था जिले में पूरी ताकत से चल रही है।

29 नवंबर 2016 को सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने एक पत्र जारी कर साफ कहा था कि दूध वितरण, पिज्जा डिलीवरी, कोरियर और ई-कॉमर्स सेवाओं में प्रयुक्त बाइक को कमर्शियल श्रेणी में पंजीकृत किया जाना चाहिए। आदेश के तहत यह व्यवस्था जनवरी 2017 से पूरे देश में लागू होनी थी।

मंत्रालय के आदेश के अनुसार

निजी बाइकों से व्यावसायिक कार्य करना गैरकानूनी
कमर्शियल उपयोग पर हर तिमाही ?300 टैक्स अनिवार्य
वाहन का फिटनेस टेस्ट और बीमा भी अनिवार्य
नियम उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई और जुर्माने का प्रावधान

आरटीओ और एआरटीओ की चुप्पी- बड़ा सवाल

केंद्र से निर्देश मिलने के बाद तत्कालीन परिवहन आयुक्त रविंद्र नायक ने सभी आरटीओ और एआरटीओ को स्पष्ट निर्देश दिए थे कि बाइक डिलीवरी में इस्तेमाल हो तो उसका पंजीकरण व्यावसायिक श्रेणी में किया जाए। इसके बावजूद अयोध्या आरटीओ कार्यालय ने न तो चेकिंग अभियान चलाया और न ही बाइक चालकों को नोटिस थमाया।

वर्तमान में जिले में हजारों बाइक्स ऑनलाइन डिलीवरी सेवाओं में लगी हैं लगभग सभी बिना कमर्शियल रजिस्ट्रेशन के चल रही हैंसरकार को हर तिमाही लाखों रुपये के टैक्स का नुकसान फिटनेस, बीमा व प्रदूषण मानकों का कोई अनुपालन नहीं

डिलीवरी पार्टनर और कंपनियों की चुप्पी

जिन कंपनियों की सेवाएं शहर में रोजाना सैकड़ों लोगों तक पहुंच रही हैं, उन्होंने अब तक न ही अपने डिलीवरी पार्टनर्स को कमर्शियल रजिस्ट्रेशन कराने को कहा और न ही प्रशासन के किसी निर्देश का पालन किया।एक स्थानीय डिलीवरी एजेंट नाम न बताने की शर्त पर कहते हैं, हमसे कंपनी बाइक का रजिस्ट्रेशन नहीं पूछती। हम अपनी बाइक से ही ऑर्डर डिलीवर करते हैं। हमें न टैक्स

का पता है और न फिटनेस की ज़रूरत बताई जाती है।

प्रशासनिक जिम्मेदारी और सवाल

अयोध्या आरटीओ ऑफिस की निष्क्रियता पर सवाल उठना लाजिमी है। सवाल यह है कि-8 सालों से आदेश क्यों नहीं लागू हुआ? क्या अधिकारियों की मिलीभगत से नियमों को ताक पर रखा गया? अब तक कोई चेकिंग अभियान क्यों नहीं चला?

विशेषज्ञों की राय

पूर्व परिवहन अधिकारी बी.के. शर्मा कहते हैं यह खुली लापरवाही है। अगर हर बाइक से 300 रुपये प्रति तिमाही वसूला जाए तो हर जिले से करोड़ों का राजस्व सरकार को मिल सकता है। यह न सिर्फ आय का स्रोत है बल्कि सड़कों पर वाहन अनुशासन बनाए रखने का तरीका भी।

नियम कागज़ों में, सड़क पर अराजकता

सरकार द्वारा बनाए गए स्पष्ट नियमों को अयोध्या के आरटीओ कार्यालय ने या तो जानबूझकर अनदेखा किया या पूरी तरह से अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ा है। निजी बाइक का व्यावसायिक प्रयोग सिर्फ एक प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाने वाला गंभीर मामला है। अब समय है कि जिला प्रशासन और परिवहन विभाग इस मामले पर तत्काल संज्ञान ले, विशेष अभियान चलाए और नियमों का कड़ाई से पालन कराए।

व्यवसायिक दोपहिया वाहनों पर लगेगा जुर्माना-एआरटीओ

एआरटीओ प्रशासन राजेश सिंह का कहना है कि अभी तक जिले में कोई बाइक व्यवसायिक रूप में पंजीकृत नही है। अगर इस तरह की गतिविधियों में कोई वाहन पाया जाएगा तो उसके खिलाफ क?ी कार्यवाही करते हुए जुर्माना वसूला जाएगा और उन्हें व्यवसायिक रूप में पंजीकृत कराने के लिए कहा जायेगा।

एसीपी कार्यालय की छत गिरी, दरोगा की मौत, एनएचआरसी में शिकायत

» कानपुर के पंकज सिंह की याचिका पर एनएचआरसी के आदेश के बावजूद पुलिस अफसर बेपरवाह, घटना की पुनरावृत्ति हुई

» गाज़ियाबाद एसीपी ऑफिस की छत गिरने से दरोगा वीरेंद्र मिश्रा की मलबे में दबकर हुई मौत, वर्ष 2020 में गिरी थी कानपुर पुलिस लाइन बैरक

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ/गाज़ियाबाद। उत्तर प्रदेश शासन के शीर्ष अफसरों ने नेशनल ह्यूमन राइट्स कमीशन (एनएचआरसी) के आदेशों को एक कान से सुनकर दूसरे कान से बाहर निकाल दिया।पुलिस विभाग के जिम्मेदार अफसरों ने भी कोई संजीदगी नहीं दिखाई। ऐसे में आज भी खस्ताहाल पुलिस परिसरों में पुलिसकर्मी काम करने को मज़बूर हैं। विगत रविवार को दिल को झकझोर देने वाली घटना हुई। गाज़ियाबाद एसीपी, (सहायक पुलिस आयुक्त) अंकुर विहार के कार्यालय की छत बारिश-आंधी के दौरान गिर गई। कार्यालय में मौजूद दरोगा वीरेंद्र कुमार मिश्रा, निवासी गाँव चितभवन, थाना इकदिल, जनपद इटावा, उत्तर प्रदेश की छत के मलबे में दबकर मौत हो गई। सुबह कांस्टेबल के पहुँचने पर घटना का पता चला। मगलवार को कानपुर के सोशल एक्टिविस्ट और पेशे से वरिष्ठ सूचना तकनीकी अभियंता पंकज कुमार सिंह ने घटना को एनएचआरसी कोर्ट में रिपोर्ट किया है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए दरोगा वीरेंद्र कुमार मिश्रा के परिजनों को क्षतिपूर्ति दिलाये जाने की मांग की है। गौरतलब है कि एक माह पूर्व भी इसी दफ्तर की फाल सीलिंग गिरने की घटना भी घटित हुई थी। इसपर भी जिम्मेदारों के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी। ऐसी ही घटना विगत चार वर्ष पूर्व

कानपुर पुलिस लाईन में घटित हुई थी जिसकी जर्जर बैरक की छत गिरने से 5 पुलिसकर्मी डाब गए थे जिनमे एक आरक्षी अरविन्द की मौत हो गई थी।

जिम्मेदार अफसरों ने एनएचआरसी कोर्ट के आदेशों की उड़ाई धज्जियाँ सोशल एक्टिविस्ट पंकज कुमार सिंह की एक याचिका पर घटना को संज्ञान लेते हुए वर्ष 2020 में एनएचआरसी कोर्ट ने शासन के जिम्मेदार लोगों पर सख्त टिप्पणी करते हुए कहा था कि यह बहुत दर्दनाक है कि जिन पुलिस अधिकारियों पर दूसरों की जान बचाने की जिम्मेदारी है, उन्हें खतरनाक बैरक में रहने के लिए मजबूर किया जा रहा है और सरकार को उनकी सुरक्षा, संरक्षा और अन्य आवश्यक सुविधाओं के प्रति कोई चिंता नहीं है।

प्रकरण पर प्रमुख सचिव, गृह विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी कर मामले में छह सप्ताह के भीतर एक विस्तृत रिपोर्ट मांगी थी , जिसमें मृतक पुलिसकर्मी के परिवार के साथ-साथ अन्य घायल पुलिसकर्मियों को मुआवजे और पुलिस कर्मियों के लिए बैरक और अन्य आवश्यक सुविधाओं में सुधार के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी भी शामिल थी ।

इन सबके बावजूद शासन प्रसाशन के जिम्मेदार अफसरों ने एनएचआरसी कोर्ट के आदेशों को दरकिनार कर दिया।याचिका अभी भी विचाराधीन है।

कानपुर में भी मौत के साये में काम कर रहे पुलिसकर्मी

जानकारी के मुताबिक कानपुर शहर के ही थाना कर्नलगंज, थाना बजरिया, थाना मूलगंज, थाना बादशाही नाका ,थाना बेकनगंज, थाना काकादेव आदि ऐसे पुलिस परिसर है जो जीर्ण-क्षीर्ण हैं जहाँ पुलिस कर्मी अपनी जान जोखिम में डालकर रहते हैं और कार्यसरकार का संपादन करते हैं। इसी के साथ सूबे के अन्य पुलिस परिसरों को लेकर भी जाँच और उनके सुधार के लिए कदम उठाने की मांग की है। पंकज का कहना है कि पुलिसकर्मी वे लोग हैं जो दिन-रात कानून और व्यवस्था बनाए रखते हैं। उनका जीवन सुरक्षित और सम्मानित होना हमारा सामाजिक कर्तव्य है इसलिए हम पुलिस के के जीवन रक्षा की दिशा में मानवाधिकारों के आलोक में न्याय चाहते हैं, क्योंकि मानवाधिकारों का विषय सिर्फ आम नागरिक का नहीं, बल्कि हर वर्दीधारी का भी अधिकार है।

कई राज्यों में भारी बारिश के लिए अलर्ट जारी

आज से एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो गया है जिसके कारण उत्तर-पश्चिमी भारत में बारिश भी हो सकती है

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कई राज्यों के लिए भारी बारिश का अनुमान जताया है। और साथ ही आईएमडी का मानना है कि आज से एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो सकता है, जिसके कारण उत्तर-पश्चिमी भारत में बारिश भी हो सकती है।और साथ ही देश के कई इलाकों में मॉनसून आगे बढ़ रहा है और इसके जल्द ही देश के अन्य स्थानों में भी छा जाने की पूरी उम्मीद की जा रही है। साथ ही ओडिशा तट से दूर बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में निम्न दबाव का क्षेत्र है। और फिर इसके धीरे-धीरे उत्तर की ओर बढ़ने और अगले 24 घंटों के दौरान बंगाल की खाड़ी के उत्तरी हिस्से पर एक डिप्रेशन में बदलने की पूर्ण संभावना है।और 30 मई तक पूर्वोत्तर राज्यों और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भारी से अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है।और अगले 3-4 दिनों के दौरान पश्चिमी तट जैसे केरल, कर्नाटक, तटीय महाराष्ट्र और गोवा में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है।और एक नए पश्चिमी विक्षोभ के साथ आज से उत्तर-पश्चिम भारत में गरज और तेज हवा के साथ बारिश का नया दौर भी शुरू हो सकता है।दक्षिणी पश्चिमी मॉनसून देश के कुछ हिस्सों में और आगे भी बढ़ा है। महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों, कर्नाटक के शेष हिससों, तेलंगाना के अधिकांश अधिकांश हिस?सों, आंध्र प्रदेश के शेष हिस्सों, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के कुछ हिस्सों, पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के शेष हिस्सों में आगे बढ़ गया है। आज और कल तटीय आंध्र प्रदेश, यनम में कुछ जगहों पर भारी बारिश हो सकती है। और इसके साथ ही आज केरल, माहे, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, तेलंगाना, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में कुछ स?थानों पर भारी बारिश की पूर्ण संभावना है।केरल और माहे के साथ ही आज तटीय और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में कुछ स?थानों पर अत्यधिक भारी बारिश का अनुमान भी जताया गया है।और साथ ही आज कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा में 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं भी चल सकती हैं। जिसके 70 किमी प्रति घंटे तक पहुंचने का भी अनुमान भी है।और आज कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, गुजरात राज्य, मराठवाडा में आंधी और बिजली के साथ कई जगह हल्की/मध्यम बारिश हो सकती है।

30 मई तक राजस्थान में, 29-31 मई के दौरान जम्मू-कश्मीर, 29 और 30 मई को पंजाब, 30 मई को हरियाणा और दिल्ली में 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं भी चल सकती हैं।और फिर जिसके 70 किमी प्रति घंटे तक पहुंचने का भी अनुमान है। और 28 मई से 1 जून के दौरान उत्तराखंड में कुछ जगह भारी बारिश की संभावना है।

यूपी में 5 सीनियर IPS के ट्रांसफर, 2 DIG बदले

मुख्य संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। योगी सरकार ने बुधवार को 5 सीनियर IPS अफसरों के ट्रांसफर किए हैं। IPS संजीव त्यागी का 18 दिनों में दूसरी बार तबादला हुआ है। पहले उन्हें आगरा के एडिशनल कमिश्नर से हटाकर लखनऊ में DIG कारागार बनाया गया था। अब उन्हें DIG बस्ती की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इसी तरह, शिवहरि मीना का भी 22 दिनों में दूसरी बार तबादला हुआ है। पहले उन्हें अपर पुलिस आयुक्त नोएडा से हटाकर DIG तकनीकी सेवाएं, लखनऊ बनाया गया था। अब उन्हें ष्टक (लॉ एंड ऑर्डर), वाराणसी नियुक्त किया गया है। गोरखपुर के DIG आनंद सुरेश राव कुलकर्णी को पुलिस मुख्यालय भेजा गया है। उन्हें DIG तकनीकी सेवाएं, लखनऊ की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा, वाराणसी के ACP (लॉ एंड ऑर्डर) शिवासिंपी चनप्पा को DIG गोरखपुर की कमान सौंपी गई है। बस्ती के DIG दिनेश कुमार पी. को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली भेजा गया है।

कनाडा-अमेरिका सीमा पर मृत पाए गए भारतीय परिवार के मामले में पढ़िए खबर

नई दिल्ली। कनाडा-अमेरिका सीमा पर दंडित मृत पाए गए भारतीय परिवार के मामले में, अब अमेरिका के मिनेसोटा राज्य की एक अदालत ने दो लोगों को भारतीय परिवार की मौत के मामले में दस साल की सज़ा सुनाई है।और फिर जनवरी 2022 में अमेरिका में अवैध तरीके से प्रवेश करने की कोशिश के दौरान कनाडा में ठंड से भारत के एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई थी।और फिर इस मामले में अदालत ने हर्ष कुमार पटेल और स्टीव एंथनी शैंड को मानव तस्करी के आरोप में दोषी भी ठहराया है।और पिछले साल नवंबर में हर्षकुमार रमणलाल और स्टीव एंथनी पर अवैध तरीके से सीमा पार कराने में मदद करने के आरोप में मुक़दमा भी शुरू हुआ था।